भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 247

19 नवम्बर, 2019 के लिए प्रश्न

भारतीय खाद्य निगम का कुल उधार

247. श्री के शनमुगा सुंदरम:

क्या उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा सार्वजनिक वितरण हेतु कुल कितना गेहूं खरीदा गया है;

(ख) सरकार को राज सहायता के रूप में भारतीय खाद्य निगम को वास्तव में कितनी बकाया राशि जारी की जानी है तथा इसमें विलंब के क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार को भारतीय खाद्य निगम से पूंजी जुटाने हेतु कोई अनुरोध प्राप्त हुआ है तथा यदि हां, तो अब तक क्या कार्रवाई की गई है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) आज की तिथि अनुसार भारतीय खाद्य निगम की कुल उधार और ऋण राशि कितनी है?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री

(श्री दानवे रावसाहेब दादाराव)

(क): पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान भारतीय खाद्य निगम और राज्य सरकार एवं इसकी एजेंसियों द्वारा की गई गेहूं की खरीद का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

(आंकड़े लाख टन में)

रबी विपणन मौसम	एफसीआई	राज्य एजेंसियां	योग
2016-17	30.47	199.14	**229.61**
2017-18	36.09	272.15	**308.24**
2018-19	42.59	315.36	**357.95**
2019-20	40.37	300.95	**341.32**

.....2/-

(ख): पिछले चार वर्षों के दौरान बकाया सब्सिडी की स्थिति निम्नानुसार है:-

(करोड़ रुपए में)

वर्ष	अथ शेष (1 अप्रैल)	वर्ष के दौरान दावा की गई सब्सिडी	वर्ष के दौरान प्राप्त सब्सिडी	इति शेष (31 मार्च)
2015-16	58,654	1,03,383	1,12,000	50,037
2016-17	50,037	1,09,600	1,03,334.61	81,302.39
2017-18	81,302.39	1,16,501	101981.69	1,35,821.7
2018-19 (संशोधित अनुमान)	1,35,821.7	1,25,198	140098	1,90,921.7

भारतीय खाद्य निगम को जारी किए जाने हेतु बकाया सब्सिडी (दिनांक 31.03.2019 की स्थिति के अनुसार) 1,90,921.7 करोड़ रुपए थी। वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए भारतीय खाद्य निगम हेतु बजट अनुमान 1,51,000 करोड़ रुपए है और भारतीय खाद्य निगम को दिनांक 15.11.2019 तक 1,06,000 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं।

भारतीय खाद्य निगम को खाद्य सब्सिडी हेतु निधियां मासिक व्यय योजना/त्रैमासिक व्यय योजना के अनुसार यथासमय जारी की जाती हैं। इस विभाग ने बजटीय आवंटन के अनुसार भारतीय खाद्य निगम को खाद्य सब्सिडी नियमित रूप से और यथासमय जारी की है।

(ग): भारतीय खाद्य निगम ने इक्विटी पूंजी निवेश का अनुरोध किया है, जिसके बारे में सरकार ने भारतीय खाद्य निगम की इक्विटी पूंजी में 5,000 करोड़ रुपए की वृद्धि करने और भारतीय खाद्य निगम को 4 वर्षों की अवधि के दौरान 32,000 करोड़ रुपए के दीर्घावधिक बॉण्ड जुटाने के लिए भारत सरकार की गारंटी प्रदान करने का भी निर्णय लिया है।

5,000 करोड़ रुपए की इक्विटी निवेश योजना के प्रति सरकार ने वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान 500 करोड़ रुपए पहले ही जारी कर दिये हैं। भारतीय खाद्य निगम की प्राधिकृत पूंजी 3,500 करोड़ रुपए के वर्तमान स्तर से बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपए किए जाने के बाद शेष 4,500 करोड़ रुपए के निर्गम पर विचार किया जाएगा। जहां तक बॉण्ड जारी करने का संबंध है, 32,000 करोड़ रुपए की नियोजित उधारी में से भारतीय खाद्य निगम ने वर्ष 2018-19 के

.....3/-

दौरान 2,737.70 करोड़ रुपए के बॉण्ड जारी किए हैं। इसके अलावा, भारतीय खाद्य निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान 13,262.30 करोड़ रुपए, वर्ष 2020-21 के दौरान 8,000 करोड़ रुपए और वर्ष 2021-22 के दौरान 8,000 करोड़ रुपए के बॉण्ड जारी किए जाने की योजना है।

(घ): दिनांक 31.10.2019 की स्थिति के अनुसार भारतीय खाद्य निगम द्वारा उधार ली गई कुल राशि का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

विवरण	**उधार ली गई राशि (करोड़ रुपए में)**
नकद ऋण सीमा (सीसीएल)	7,582.66
अल्पावधिक ऋण (एसटीएल)	4,700.00
राष्ट्रीय लघु बचत निधि (एनएसएसएफ)	1,91,000.00
बॉण्ड	15,737.70
योग	**2,19,020.36**

*****